व्याकरण ज्ञान 5

1. भाषा, लिपि और व्याकरण

जब एक बोलता है तो दूसरा सुनता है। जब एक लिखता है तो दूसरा उसे पढ़कर समझता है। यह संभव हो पाता है भाषा के कारण। भाषा मन के भावों-विचारों के आदान-प्रदान का साधन या माध्यम होती है। भाषा का रूप मौखिक और लिखित दोनों होता है। मौखिक भाषा को लिखने के लिए प्रयोग किए जाने वाले चिह्नों को लिपि कहते हैं। मौखिक और लिखित भाषा को शुद्ध ढंग से बोलना, लिखना और पढ़ना व्याकरण सिखलाता है।

❖ छात्र पिछली कक्षाओं में भाषा के बारे में पढ़ चुके हैं। पुनरावृत्ति करवाते हुए उनसे भाषा के बारे में पूछें– भाषा किसे कहते हैं? आप अपने घर में किस भाषा में बातचीत करते हैं आदि प्रश्नों द्वारा बच्चों का ध्यान पाठ विषय की ओर दिलाते हुए बताएँ कि इस कक्षा में हम भाषा को थोड़ा और विस्तार से जानेंगे।
❖ पाठ पृष्ठ पर दिए चित्रों को दिखाते हुए बताएँ, ये सभी भाषा द्वारा अपनी बात पहुँचा रहे हैं। पूछें, यह भाषा का कौन-सा रूप है। समझाएँ, भाषण देना, संवाद बोलना मौखिक भाषा है तथा कंप्यूटर पर काम करना या लेखक द्वारा कुछ लिखना भाषा का लिखित रूप है।
❖ बताएँ, जो लोग बोल-सुन नहीं सकते, वे संकेतों के द्वारा अपनी बात करते हैं। इसे सांकेतिक भाषा कहते हैं।
❖ भारत की भिन्न-भिन्न भाषाओं का परिचय दें। अन्य देशों की भाषाओं के बारे में बच्चों से पूछें।
❖ समझाएँ, बोली गई बात को लिखने की आवश्यकता ने लिपि को जन्म दिया। हमारी वर्णमाला के सभी वर्ण ही हिंदी भाषा की लिपि हैं।
❖ हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है। उर्दू की फ़ारसी, पंजाबी की गुरुमुखी तथा अंग्रेज़ी रोमन लिपि में लिखी जाती है।
❖ भारत की भाषाओं को बताने के लिए दस रुपए के नोट को उदाहरण के रूप में दिखाया जा सकता है।
❖ प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें कि वह पाठ में रुचि ले रहा है अथवा नहीं।
❖ लिपि के बाद अब व्याकरण के विषय में चर्चा करें। पूछें, कोई शब्द या वर्ण कैसे बोला या लिखा जाएगा; यह कैसे पता चलता है अथवा यह बात कौन बताता है। बच्चों के उत्तर सुनें। सभी को बोलने का अवसर दें।
❖ बताएँ, वर्ण, शब्द तथा वाक्य की शुद्धता व्याकरण बताता है। समझाएँ, व्याकरण के अंतर्गत कुछ नियम होते हैं, जो भाषा को मज़बूत बनाते हैं।
❖ ब्लैकबोर्ड पर कुछ शब्दों की अशुद्ध वर्तनी लिखें अथवा गलत वाक्य प्रयोग बनाएँ। बच्चों से उन्हें सही करने को कहें। कक्षा के सभी बच्चों को अवसर दें।
❖ सुनिश्चित करें, बच्चे विषय समझ गए हैं।
❖ अभ्यास के मौखिक प्रश्नों के उत्तर बच्चों से पूछें।
❖ अभ्यास करवाएँ तथा जाँचें। त्रुटि होने पर दोबारा समझाएँ।